समाज को बदलना होगा : आचार्य महाप्रज्ञ

बीदासर, 3 फरवरी, 2009।

राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने कहा कि समाज ने बहुत विकास किया है, आर्थिक विकास भी बहुत हुआ है पर समाज को बदलाव लाना होगा।

उक्त विचार उन्होंने तेरापंथ भवन में प्रवचन करते हुए व्यक्त किये।

आचार्य प्रवर ने कहा कि जैन समाज के लोग महावीर की वाणी को ध्यान में रखें। पैसे का उपयोग करें पर व्यक्तिगत उपभोग की सीमा करें। इतना वैभव, ऐश्वर्य का प्रदर्शन न करें कि आर्थिक मंदी की चोट सहनी पड़े और दूसरों में प्रतिक्रियात्मक हिंसा पैदा हो। आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने कहा कि आने वाले युग में 100 वर्षों के बाद अनाज हीरे पन्नों से ज्यादा महंगे होंगे। इसलिए आज से ही संयम का पाठ सीखें।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि आदमी को जैसा है वैसा ही नहीं रहना चाहिए। उसे विकास करना चाहिए। प्रतिदिन चिंतन करें कि कितना विकास किया है और विकास करने का संकल्प भी करें। उन्होंने कहा कि प्रातःकाल में किया गया संकल्प फलीभूत होता है। जिस तरह से देवता के दर्शन और सत्पुरुषों के वचन खाली नहीं जाते हैं वैसे प्रातः काल में किया गया संकल्प खाली नहीं जाता।

युवाचार्य श्री महाश्रमण ने कहा कि हमारे भीतर आध्यात्मिक तेजस्वीता प्रकट होनी चाहिए। जब भीतर में तेजस्विता होगी तभी बाहर में तेजस्वीता होगी। उन्होंने कहा कि मोह के क्षीण होने पर ही तैजस्वीता प्रकट होती है। मोह की प्रबलता के कारण अशुभ भाव आते हैं और मोह की मंदता के कारण शुभभाव आते हैं।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जहां वीतरागता का प्रकाश है वहां मोहरूपी अंधकार नहीं रह सकता। कार्यक्रम में साध्वी हिमश्री, साध्वी विनम्रयशा, साध्वी नंदिताश्री, समणी विपुलप्रज्ञा, समणी कुशमप्रज्ञा, मुनि दर्शनकुमार ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

नवी मुंबई के महापोर ने लिया आशीर्वाद

नवी मुंबई महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री एवं प्रथम कल्याण मित्र राजनेता गणेश नाईक के सुपुत्र महापोर संजीव नाईक ने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में संजीव नाईक ने कहा कि आचार्य प्रवर की दृष्टि के अनुसार हमने नवी मुंबई में 18 हजार बच्चों में जीवन विज्ञान का प्रयोग प्रारंभ किया था। वह अब 27 हजार बच्चों के द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि आचार्यवर आपके चरणों से महकी नवी मुंबई की धरती की महक संपूर्ण विश्व में पहुंचे ऐसा प्रयास कर रहा हूं। इस अवसर पर नगर सेवक अर्जुन सिंघवी भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति बीदासर के अध्यक्ष बाबूलाल सेखानी, स्वागताध्यक्ष भीखमचन्द नाहटा ने मुंबई के महापोर संजीव नाईक व मुंबई के पत्रकार देवीदास सुतार को मोमेंटो, साहित्य भेंट कर स्वागत किया।

- अशोक सियोल

99829 03770